लगान का आधुनिक सिद्धान्त
(Modern Theory of Rent)

लगान का आधुनिक सिद्धान्त रिकार्डो के लगान सिद्धान्त पर एक सुधार है। रिकार्डो के अनुसार भूमि प्रकृति का निःशुल्क उपहार है जिसमें सीमितता का गुण होता है जिसके कारण भूमि पर लगान प्राप्त होता है। आधुनिक अर्थशास्त्री रिकार्डो के इस कथन से पूर्ण सहमत नहीं है। उनके अनुसार लगान भूमि के अतिरिक्त अन्य उत्पत्ति साधनों पर भी उपस्थित हो सकता है बशर्ते साधन की पूर्ति सापेक्ष बेलोच हो। आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार भूमि का प्रयोग केवल अनाज पैदा करने में ही नहीं किया जाता बल्कि भूमि के वैकल्पिक प्रयोग सम्भव हैं। लगान के आधुनिक सिद्धान्त की व्याख्या करने का श्रेय J. S. मिल को जाता है परन्तु इसका विकास जेवन्स, परेटो, मार्शल तथा श्रीमती जॉन रोबिन्सन आदि ने किया। इन अर्थशास्त्रियों के अनुसार प्रत्येक उत्पत्ति का साधन जिसकी पूर्ति भूमि की भांति सीमित होती है आर्थिक लगान प्राप्त कर सकता है। आधुनिक विचारधारा

Page No.:
Date:

के अनुसार लगान एक बचत है जो किसी भी साधन की इकाई को उसकी न्यूनतम पूर्ति कीमत अर्थात् अवसर लागत के ऊपर प्राप्त होती है। अवसर लागत को हस्तान्तरण आय भी कहा जाता है। इस प्रकार आधुनिक ~~अर्थशा~~ अर्थशास्त्रियों के अनुसार वास्तविक आय एवं हस्तान्तरण आय का अन्तर ही लगान है।

लगान = वास्तविक आय - अवसर लागत

लगान = वास्तविक आय - हस्तान्तरण आय

Rent = Actual Earning - Transfer Earning.

श्रीमति जॉन राबिन्सन के अनुसार
"लगान के तथ्य का सार वह आधिक्य है जो किसी विशेष साधन को उस काम पर लगाये रखने के लिए कम मिलने वाली धनराशि के अतिरिक्त प्राप्त होती है।"

स्टोनियर एवं हेग, के अनुसार
"लगान वह भुगतान है जो हस्तान्तरण आय से अधिक होता है।"

To be continue

Thank you.

Scanned by CamScanner